



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने भारतीय हस्तशिल्प निर्यात पर अमेरिका के भारी शुल्क पर चिंता व्यक्त की हस्तशिल्प क्षेत्र ने 'राष्ट्र प्रथम' नीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

दिल्ली/एनसीआर, 26 अगस्त 2025 – हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) ने 27 अगस्त, 2025 से प्रभावी हस्तशिल्प सहित भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा पहले से लगाए गए 50% टैरिफ के साथ अतिरिक्त 25% टैरिफ पर गहरी चिंता व्यक्त की है। चूंकि अमेरिका भारत के हस्तशिल्प के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, इसलिए यह नीति निर्यातकों और 3.5 मिलियन से अधिक कारीगरों, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं पर तत्काल प्रभाव पड़ा है।

अमेरिका द्वारा टैरिफ वृद्धि ने भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए अभूतपूर्व चुनौतियाँ पैदा कर दी हैं, जिससे न केवल व्यापार मात्रा प्रभावित हो रही है बल्कि लाखों कारीगरों की आजीविका भी खतरे में पड़ गई है। इस टैरिफ झटके के कारण निर्यात में गिरावट, ऑर्डर रद्द होने और निर्यातकों, खासकर छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों, जो हस्तशिल्प उद्योग की रीढ़ हैं, के लिए कार्यशील पूंजी का संकट पैदा हो गया है।

डॉ. खन्ना ने आगे कहा, "हालांकि अमेरिका पारंपरिक रूप से हमारा सबसे बड़ा बाज़ार रहा है, जो कुल हस्तशिल्प निर्यात में लगभग 40% का योगदान देता है, फिर भी हम इस व्यवधान का दृढ़ता और एकजुटता के साथ सामना करेंगे। इसका तात्कालिक प्रभाव कठिन हो सकता है, लेकिन भारत की विरासत और संस्कृति में निहित एक उद्योग के रूप में, हमारी पहली ज़िम्मेदारी राष्ट्र के प्रति है और हम इस कठिन समय में सरकार के प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।"

इसी तरह की भावनाओं को व्यक्त करते हुए ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा "इन चुनौतियों के बावजूद, हस्तशिल्प क्षेत्र 'नेशन फर्स्ट पॉलिसी' के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अमेरिका सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के कारण हमारे उत्पादन और रोजगार पर गहरा असर पड़ेगा। हस्तशिल्प निर्यात का 40% अमेरिका को ही होता है। दिलचस्प बात यह है कि इसका 30% लैटिन अमेरिका को पुनः निर्यात किया जाता है (अर्थात हमारे निर्यात का 12%), जिसे सीधे लैटिन अमेरिका को निर्यात किया जा सकता है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि उरुवे, चिली जैसे फ्री ट्रेड जोन्स में वेयरहाउस-कम-मार्केटिंग चैनल खोले जाएँ, ताकि लैटिन अमेरिका तक पहुँच आसान हो सके। निर्यातकों के दृढ़ता, मेहनत और धैर्य के माध्यम से, मुझे विश्वास है कि हम इन चुनौतियों का मिलकर सामना कर पाएँगे। इस समय, नए बाजारों में विविधीकरण महत्वपूर्ण है, डॉ. कुमार ने कहा।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि "तत्काल कार्रवाई ज़रूरी है और ईपीसीएच सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि तत्काल राजकोषीय और गैर-राजकोषीय हस्तक्षेप सुनिश्चित किए जा सकें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे उद्योग को वैश्विक व्यापार परिवर्तनों का खामियाजा न भुगतना पड़े। बढ़ी हुई दरों के साथ मर्चेन्डाइज एक्सपोर्ट्स फ्रॉम इंडिया स्कीम' (एमईआईएस) को फिर से लागू करना, अमेरिका जाने वाले शिपमेंट के लिए लागत समकारी प्रोत्साहन, इंटर्रेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम के लाभ बढ़ाना, हस्तशिल्प वस्तुओं पर आरओडीटीईपी और ड्यूटी ड्राबैक रेट्स में वृद्धि, आयकर अधिनियम की पूर्ववर्ती धारा 80एचएचसी के अनुरूप आयकर छूट और निर्यात संवर्धन मिशन योजना के तहत प्रोत्साहन योजनाओं को तेज़ी से लागू करना जैसे हस्तक्षेप शामिल हैं।"

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में घरेलू, जीवनशैली, वस्त्र, फर्नीचर और फैशन आभूषण एवं सहायक उत्पादों के उत्पादन में लगे लाखों शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल संस्थान है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा और वर्ष 2024-25 के दौरान अमेरिका को हस्तशिल्प निर्यात 12,814.73 करोड़ रुपये (1,518.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच

+91- 9810697868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH Expresses Concern Over Steep U.S. Tariffs on Indian Handicraft Exports

Handicrafts Sector Reaffirms Commitment to 'Nation First' Policy

Delhi/NCR, 26th August 2025 – The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) expresses deep concern over the additional 25% tariff coupled with already imposed 50% tariff by the United States on Indian goods, including handicrafts, effective August 27, 2025. With the U.S. constituting India's largest export market for handicrafts, this policy places an immediate and significant strain on both exporters and over 3.5 million artisans, particularly women in rural and semi-urban areas.

Speaking on the current situation, Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH, said "the U.S. tariff hike has created unprecedented challenges for Indian handicraft exporters, threatening not only trade volumes but also the livelihoods of millions of artisans. This tariff shock has already led to an export decline, order cancellations and working capital crises for exporters, especially small and medium-sized enterprises, who form the backbone of handicraft industry."

Dr. Khanna further added, "While the U.S. has traditionally been our largest market, contributing nearly 40% of total handicraft exports, we will face this disruption with resilience and unity. The immediate impact may be difficult, but as an industry rooted in India's heritage and culture, our first responsibility is to the nation and we stand ready to support government efforts in navigating this testing time."

Echoing similar sentiments, Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor – EPCH and Chairman - IEMML, shared "Despite these challenges, the handicraft sector remains firmly committed to the principle of '**Nation First**' policy. USA being the largest consumer market will disrupt our production and employment generation. 40% of handicrafts exports is to market of USA. Interestingly, 30% of that is re-exported to Latin America (means 12% of our exports) can directly be exported to Latin America. There are issues of distances, shipping schedules, language as barriers. Govt should open warehouses cum Marketing channel in free trade zones such as Uruguay, Chile etc . Through the resilience, hard work and perseverance of the exporters, I am confident that we will be able to navigate these challenges together. At this juncture, diversification to new markets is the key, Dr. Kumar added.

Shri R. K. Verma, Executive Director-EPCH shared that "immediate action is critical and EPCH is working closely with the government to secure urgent fiscal and non-fiscal interventions to ensure our industry do not bear the brunt of global trade shifts. Interventions such as reintroduction of the Merchandise Exports from India Scheme (MEIS) with enhanced rates, Cost Equalisation Incentive for U.S.-bound shipments, enhanced benefits under the Interest Equalization Scheme, enhanced RoDTEP and Duty Drawback rates for handicrafts items, Income Tax exemptions in line with the erstwhile Section 80HHC of the Income Tax Act and the fast-tracking of promotional schemes under the Export Promotion Mission Scheme."

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US \$ 3,918 Million) and the Handicrafts exports to USA during the year 2024-25 was 12,814.73 crores (US\$ 1,518.18 million) informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Shri. R. K. Verma, Executive Director, EPCH

+91-9810679868

Encl: Hindi, English version